हरियाणा के 10-15 ज़िलों में शुरू होगी 'पीएम ई-बस सेवा'

चर्चा में क्यों?

- 17 सितिंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार भारत सरकार का प्रधानमंत्री ई-बस सेवा प्रोजेक्ट हरियाणा के 10 से 15 ज़िलों में लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है, जिसके तहत शहर के नगर निगम एरिया में इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी।

प्रमुख बिंदु

- ये इलेक्ट्रिक बसें शहर में ऑटो की तरह चलाई जाएंगी, जो चौक टू चौक होते हुए स्टॉपेज पर ठहरेंगी। इससे यात्रियों को शहर में नजदीकी गंतव्य तक पहुँचने में आसानी होगी। यात्रियों में कम किराए में सुगम सफर करने का मौका मिलेगा।
- ये इलेक्ट्रिक बसें अत्याधुनिक होंगी। रोडवेज बसों की तरह 12 मीटर लंबी होगी और एसी की सुविधा होगी। एक बस की कीमत करीब दो करोड़ रुपए है। एक बार चार्जिंग में ये बसें 200 किलोमीटर दूरी तय करेंगी। इन बसों का रखरखाव भी कंपनी करेगी। बसों पर चालक भी कंपनी का होगा।
- वर्कशाप में कंपनी के कारीगर होंगे। इन बसों को रोडवेज प्रशासन करीब 62 रुपए प्रतिकिलोमीटर कंपनी को चार्ज अदा करेगा। परिचालक रोडवेज का होगा।
- शुरूआत में हिसार ज़िले के डिपो को 50 इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी। शहर में ये बसें सुबह 6 से 9 बजे तक चलेंगी। रूटों पर हर 15 मिनट में बसों की सर्विस रहेगी।
- विदित है कि इससे पहले शहर में सिटी बसें चलती थीं, जो अब परमिट न मिलने व अन्य कारणों के कारण बंद पड़ी हैं। इन सिटी बसों में यात्रियों को 10 रुपए देने पड़ते थे। अब यात्रियों को ऑटो में जाना पड़ता है और ऑटो में 20 रुपए किराया लगता है। सिटी बसों के मुकाबले ऑटो का सफर महँगा है। यही वजह है कि अब इनकी जगह इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी।
- डिपो वर्कशाप में तीन एकड़ ज़मीन चिह्नित की गई थी। इस जगह पर इलेक्ट्रिक बसों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनेगा। सभी बसों के अलग-अलग चार्जिंग प्वाइंट बनेंगे। बसों के ठीक करने की सुविधा के लिये अलग से वर्कशॉप बनेगा।
- गौरतलब है कि 'प्रधानमंत्री ई-बस सेवा' देश के कई राज्यों में लागू है। दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में कामयाब भी है। यात्रियों को इलेक्ट्रिक बसों से काफी सहूलियत मिली है। यह बसें करनाल, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक में चलेंगी।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-e-bus-service-will-start-in-ten-fifty-districts-of-haryana